रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 13 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 93 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

नहीं रहीं 'सुरों की मल्लिका' आशा ताई

92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, संगीत जगत के लिए बड़ा झटका

मुंबई (एजेंसी)। संगीत जगत को एक बड़ा झटका लगा है। सैकड़ों फिल्मों के गीतों को स्वरों से सजाने वाली और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में भी खास मुकाम हासिल करने वालीं 92 साल की गायिका आशा भोसले ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। कार्डिएक अरेस्ट और फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से शनिवार को ही उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। रविवार सुबह से ही उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। आशा भोसले के निधन के बाद बॉलिवुड इंडस्ट्री में मातम पसर गया है। आशा भोसले को दादासाहेब फाल्के और देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने बताया था, मेरी दादी आशा भोसले ज्यादा कमजोर होने की वजह से सीने के इन्फेक्शन से जूझ रही हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया था कि उनकी हालत गंभीर है।

आज होगा अंतिम संस्कार

जानकारी के मुताबिक सोमवार को उनका अंतिम संस्कार होगा। उनका पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे लोअर परेल में उनके घर पर ही अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद शाम को 4 बजे दादर के शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार होगा। यहीं पर लता मंगेशकर का भी अंतिम संस्कार किया गया था।

रिकॉर्ड किए 12 हजार से ज्यादा गाने

भोसले, दिग्गज गायिका दिवंगत लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं और पद्मिनी एवं वैजयंतीमाला जैसी दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों से लेकर मीना कुमारी, मधुबाला, जीनत अमान, काजोल और उर्मिला मातोंडकर सहित कई प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी है। भोसले के कुछ लोकप्रिय गानों में चुरा लिया है तुमने जो दिल को, अभी ना जाओ छोड़कर, इंतहा हो गई इंतजार की आदि शामिल हैं। उन्होंने 2023 में अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में दुबई में आयोजित एक विशेष संगीत कार्यक्रम आशा 90 लाइव इन कॉन्सर्ट में प्रस्तुति दी थी। आशा भोसले ऐसी पहली भारतीय सिंगर थीं जो कि ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुई थीं। उन्होंने 20 से ज्यादा भाषाओं में गीतों को अपनी आवाज दी।

एक बड़े हादसे से बचीं पूर्व सीएम उमा भारती

झांसी रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ना पड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के साथ रविवार को झांसी रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। रेलवे के संचालन में खामी के कारण उन्हें चलती हुई पंजाब मेल ट्रेन में सवार होना पड़ा। इस घटना से आहत होकर उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर रेलवे की व्यावहारिक संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उमा भारती ने कहा- जो घटना मेरे साथ हुई है वो आए दिन यात्रियों के साथ हो रही है। महिलाएं सामान और बच्चों के साथ प्लेटफार्म पर दौड़ती भागती हैं। बुजुर्गों के साथ ऐसी घटनाएं होती हैं।

पत्र लिखकर रेल मंत्री को बताई पूरी घटना- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में उमा भारती ने लिखा- मैंने पूर्व में मथुरा रेलवे स्टेशन की यात्रियों के प्रति संवेदनहीनता की बात लिखी है। मेरे साथ आज फिर झांसी रेलवे स्टेशन पर चढ़ते हुए एक घटना हो गई जिसमें कोई अपराधी नहीं है बल्कि स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाओं के निर्माण में व्यावहारिक संवेदनशीलता का अभाव कारण बना है।

एमपी की सवा करोड़ बहनों के खातों में पहुंच गए पैसे

सीएम डॉ. मोहन यादव ने 1836 करोड़ रुपए किए ट्रांसफर

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित 'महिला सशक्तिकरण सम्मेलन' में लाड़ली बहना योजना की 33वीं किश्त जारी करते हुए 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में 1836 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की। इस दौरान उन्होंने करीब 184 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन प्रदेश की बहनों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार बड़े कदम उठाए जा रहे हैं और आने वाला समय महिलाओं के लिए और अधिक सशक्त बनाने वाला होगा।

- **सीएम ने कहा-वंदे मातरम में सिर्फ भारत मां की वंदना है**

115 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण - मुख्यमंत्री ने आष्टा क्षेत्र में 115 करोड़ 32 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और 69 करोड़ 60 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही आईटीआई स्थापना, कन्या छात्रावास, नाला निर्माण, जावर में शहरी सौंदर्यीकरण, छात्रावास निर्माण, स्कूल भवन, विज्ञान संकाय शुरू करने, बैराज और नहर निर्माण जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर के निर्माण में भी लगातार अड़ंगे लगाए। भला हो सुप्रीम कोर्ट का जो उसके आदेश के बाद आज भगवान राम का मंदिर जगमगा रहा है। अब बताएं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कि मंदिर बनने के बाद आज तक आप भगवान राम के दर्शन करने क्यों नहीं गए। आप पाप कर रहे हैं। जनता आपको माफ नहीं करने वाली।

सीएम ने कहा-सारा पाप कांग्रेस के माथे आएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय वंदे मातरम के आह्वान पर देश में सभी ने आजादी की लंबी लड़ाई लड़ी। उन्होंने वंदे मातरम कहते-कहते प्राणों की आहूति दे दी। वंदे मातरम से पूरा देश आंदोलित हुआ। लेकिन, दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस ने उसमें भी वोट की राजनीति की। कांग्रेस ने पहले वंदे मातरम के टुकड़े कराए, फिर देश के टुकड़े कराए, और अब वंदे मातरम गाने में और भारत माता की जय बोलने में कांग्रेस के लोगों को आपत्ति है। उन्होंने कहा कि देश में हो रही इस घटना के लिए सारा पाप कांग्रेस के माथे आएगा।

शिवराज सिंह चौहान करेंगे नए CM का ऐलान

भाजपा ने नियुक्त किया पर्यवेक्षक

बिहार। बिहार की राजनीति में पिछले कई दिनों से नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर जारी सस्पेंस अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बिहार का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। शिवराज सिंह चौहान जल्द ही

पटना पहुंचेंगे, जहां वे भाजपा विधायक दल की बैठक में नए नेता के नाम का प्रस्ताव रखेंगे।

शिवराज सुलझाएंगे बिहार के सीएम की गुत्थी

शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाए जाने के फैसले को काफी अहम माना जा रहा है। अनुभवी राजनेता होने के नाते उन्हें बिहार के जातीय समीकरणों और एनडीए के सहयोगी दलों (जदयू, हम, लोजपा-आर) के साथ सामंजस्य बैठाने की जिम्मेदारी दी गई है। उनके नाम के ऐलान के साथ ही अब कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या भाजपा सम्राट चौधरी जैसे स्थापित चेहरे पर दांव खेलेगी या फिर मध्य प्रदेश और राजस्थान की तर्ज पर कोई नया चौंकाने वाला नाम सामने आएगा। फिलहाल, मुख्यमंत्री की रेस में सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। दिल्ली में अमित शाह और नितिन नवीन के बीच महामंथन पटना में चल रही राजनीतिक हलचल के बीच शनिवार रात दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बीच लगभग एक घंटे तक चली एक बैठक हुई।

मई में 7 ट्रिप नहीं चलेगी भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस

रेलवे मेंटेनेंस होना है, दोनों ओर से गाड़ियां प्रभावित

भोपाल (नप्र)। मई महीने में यात्रा की योजना बना रहे रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में रेलवे मेंटेनेंस कार्य के चलते भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस के कुछ फेरे रद्द कर दिए गए हैं। कुल 7 ट्रिप प्रभावित होंगी, जिससे दोनों ओर से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस के फेरे रहेंगे निरस्त – पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के अनुसार जयपुर मंडल के कनकपुरा स्टेशन यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इसके चलते गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस भोपाल से 03, 04, 05, 08, 12, 13 और 14 मई 2026 को कुल 7 ट्रिप निरस्त रहेगी।

जोधपुर से भी 7 ट्रिप कैंसिल

इसी तरह गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस जोधपुर से 02, 03, 04, 07, 11, 12 और 13 मई 2026 को 7 ट्रिप निरस्त रहेगी। इससे दोनों दिशाओं में यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होगी। बेहतर सुरक्षा और संचालन के लिए लिया गया फैसला। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्य भविष्य में ट्रेनों की संरक्षा, गति और संचालन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर प्राप्त करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

एमपी नगर में ट्रांसफॉर्मर में लगी आग से ब्लास्ट

● खड़ी फॉर्च्यूनर कार बनी आग का गोला, बिल्डिंग में भरा धुआं, इलाके में मची रही अफरा-तफरी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर जोन-2 में रविवार को ट्रांसफॉर्मर में आग लगी। ब्लास्ट की चपेट में फॉर्च्यूनर कार आ गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें तेज होती गई। स्थानीय लोगों ने सुबह करीब 10.35 बजे फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी। फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक आग ने बिल्डिंग को भी चपेट में ले लिया। बिल्डिंग में धुआं भर गया। पुल बोगदा और माता मंदिर से आई 2 दमकलों ने आग पर काबू पा लिया।

ट्रांसफॉर्मर में स्पार्किंग से धमाका – कार ट्रांसफॉर्मर के बेहद करीब खड़ी थी। पास में मैकेनिक की दुकान थी। पहले स्पार्किंग हुई, फिर धमाका हुआ। ट्रांसफॉर्मर में तेल होने से आग तेजी से फैल गई और कार चपेट में आ गई। कार बिल्डिंग से सटी खड़ी थी, जिससे आग की लपटें बिल्डिंग तक पहुंच गईं। ग्राउंड फ्लोर का मुख्य गेट जल गया और ऊपर तक धुआं भर गया। दमकल ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। जली हुई कार सेकेंड हैंड थी, कीमत करीब 18 लाख रुपए बताई जा रही है।

औबेदुल्ला गंज जनपद अध्यक्ष की कार जली – बताया जा रहा है कि फॉर्च्यूनर कार पर औबेदुल्ला गंज जनपद अध्यक्ष के नाम की तख्ती लगी थी, जिसे हटा दिया गया है। ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत शुरू कर दी गई है। बिजली कंपनी की टीम मौके पर मौजूद है।

मौके पर तैनात किया गया था पुलिस बल – एमपी नगर टीआई जयहिंद शर्मा ने बताया कि आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, कोई जनहानि नहीं हुई। भीड़ को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात था। ट्रांसफॉर्मर में स्पार्किंग से आग लगने की आशंका है। फॉर्च्यूनर कार रिपेयरिंग के लिए आई थी। जांच जारी है।

प्रदेश में हीटवेव की दस्तक, रतलाम में 40 पार

भोपाल (नप्र)। मौसमी उथल-पुथल और चक्रवाती हवाओं का दौर थमते ही गर्मी बढ़ने लगी है। एकदम से तापमान में उछाल आया है। बीते तीन दिन में पारा करीब 5एष्ट डिग्री उछलकर 40एष्ट के पार निकल गया है। रतलाम में 40.6डिग्री पारा दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा नर्मदापुरम, धार, बैरसिया, बड़वानी, विदिशा और खरगोन भी सबसे गर्म शहर बने हैं, जहां 39.0डिग्री से अधिक तापमान है। मध्य प्रदेश में अप्रैल के आखिर तक दिन का तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने का अलर्ट दिया गया है। मई-जून के जैसी गर्मी एमपी में इसी महीने देखने को मिलेगी। सूरज की सीधी धूप, रेगिस्तानी हवाएं और वायुमंडलीय प्रभाव मिलकर इलाके को जमकर तपाएंगे। मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी भी जारी की है। बता दें

कि बीते मार्च के आखिर में ही प्रदेश का पारा 41डिग्री को छू रहा था। बीच में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से ठंडक बनी थी, लेकिन अब आसमान एकदम साफ होने से गर्मी रौद्र रूप दिखाएगी।

पचमढ़ी और कटनी सबसे ठंडे- मौसम विभाग द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार प्रदेश में पमचढ़ी फिलहाल सबसे ठंडा है। यहां न्यूनतम पारा 13.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं कटनी में 14.1डिग्री पारा रहा है। इसके अलावा कल्याणपुर-शहडोल में 15.2डिग्री, अमरकंटक 15.8डिग्री और राजगढ़ में 16.5डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। यह प्रदेश के सबसे ठंडे शहर हैं। जबकि रतलाम और नर्मदापुर सबसे गर्म शहर में शामिल हैं। डॉ. अरूण शर्मा, मौसम वैज्ञानिक, भोपाल ने कहा प्रदेश में अगले पांच दिन मौसम शुष्क रहेगा। पारा बढ़ेगा, लू की आशंका भी बन सकती है। संभव हो तो 12 से 3 बजे तक दोपहर में बाहर निकलने से बचें

आंख बंद होते ही दिमाग में चलने लगता है रीप्ले

दस में से 4 लोग परेशान, हर रात बढ़ता मानसिक दबाव, नींद और सेहत पर असर

पहले ऐसे दो - तीन केस ही सामने आते थे, अब 40 प्रतिशत केसः डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

भोपाल (नप्र)। रात में बिस्तर पर जाते ही अगर दिनभर की बातें बार-बार दिमाग में घूमने लगती हैं, तो यह सिर्फ सोचने की आदत नहीं, बल्कि एक गहरी मानसिक प्रक्रिया है। मनोचिकित्सकों के अनुसार इन दिनों ओपीडी में आने वाले 10 में से 4 मरीज इस समस्या से जूझ रहे हैं। खासतौर पर लाइट बंद होते ही दिमाग 'रीप्ले मोड' में चला जाता है। किस व्यक्ति से कौन सी बात गलत कह दी, किसने क्या सोचा होगा, ऐसे सवाल बार-बार उभरते हैं। यह समस्या सिर्फ नींद ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि धीरे धीरे मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास पर भी असर डालने लगती है।

क्या है 'रीप्ले' का खेल जो नहीं रुकती सोच – मनोचिकित्सक डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी बताते हैं कि यह सामान्य ओवरथिंकिंग नहीं, बल्कि दिमाग की एक बायोलॉजिकल प्रक्रिया है। दिनभर के अनुभवों को समझने और उनका मतलब निकालने के लिए दिमाग रात में सक्रिय हो जाता है। जब आसपास शांति होती है और बाहरी गतिविधियां कम हो जाती हैं, तब दिमाग अंदर की ओर फोकस करने लगता है। यही वजह है कि दिन में छोटी लगने वाली बातें रात में बड़ी लगने लगती हैं। डॉ. त्रिवेदी के अनुसार, पहले ऐसे दो से तीन केस ही सामने आते थे। लेकिन, अब यह समस्या लगातार बढ़ रही है। बीते एक साल की बात करें तो ओपीडी में 30 से 40 प्रतिशत मामले इसी समस्या के साथ आ रहे हैं। कई

लोगों में यह रात में नींद ना आने की समस्या और फिर पूरा दिन सुस्ती की समस्या का रूप में परेशान करती है। डॉ. त्रिवेदी के अनुसार, दिनभर हमारा दिमाग काम, मोबाइल, बातचीत और शोर में उलझा रहता है। लेकिन जैसे ही रात होती है, यह बाहरी इनपुट कम हो जाता है। इस समय दिमाग का एक हिस्सा, जिसे डिफॉल्ट मोड नेटवर्क कहा जाता है, ज्यादा सक्रिय हो जाता है। यह हिस्सा आत्मचिंतन और यादों से जुड़ा होता है। ऐसे में दिमाग हाल की बातचीत और भावनात्मक घटनाओं को बार-बार दोहराने लगता है।

सोशल टेंशन को खतरे की तरह लेता है दिमाग – किसी बातचीत में छोटी सी गलती या अजीब सा पल हमें मामूली लग सकता है, लेकिन दिमाग इसे खतरे की तरह ले सकता है। मानव विकास के दौरान सामाजिक स्वीकृति जरूरी थी। इसलिए आज भी दिमाग सामाजिक असहजता को तनाव के रूप में लेता है। इस दौरान शरीर में कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) बढ़ जाता है, जिससे दिमाग शांत होने के बजाय और ज्यादा सक्रिय हो जाता है। रात के समय दिमाग दिनभर की यादों को व्यवस्थित करता है। खासतौर पर भावनात्मक घटनाओं को ज्यादा प्राथमिकता मिलती है। लेकिन जब दिमाग गहरी नींद में जाने के बजाय एक्टिव सोच में फंसा रहता है, तो यह प्रक्रिया थका देने वाली बन जाती है। इससे नींद पूरी नहीं होती और अगला दिन भी प्रभावित होता है।

दिमाग सिर्फ याद नहीं करता, एडिट भी करता है – यह 'रीप्ले' सिर्फ याद करने तक सीमित नहीं रहता। दिमाग इसमें क्या होता अगर- जैसे सीन भी जोड़ता है। इसे मानसिक समय यात्रा कहा जाता है। इस प्रक्रिया में दिमाग पुराने अनुभवों के आधार पर भविष्य की तैयारी करता है। लेकिन इसका साइड इफेक्ट यह होता है कि इंसान बार-बार उसी सोच में फंस जाता है।

जब सोच बन जाती है लूप

कभी-कभार किसी बात को याद करना सामान्य है, लेकिन जब यही प्रक्रिया बार-बार होने लगे तो यह लूप बन जाती है। यह लूप तीन चीजों से चलता है। इसमें अनिश्चितता, खुद पर शक और अधूरी बात का एहसास शामिल हैं। दिमाग तब तक घूमता रहता है, जब तक उसे कोई जवाब नहीं मिल जाता, भले ही असल में कोई जवाब हो ही न। मनोचिकित्सक डॉ. त्रिवेदी के अनुसार, लगातार ऐसा होने से चिंता बढ़ सकती है, आत्मविश्वास कम हो सकता है और व्यक्ति खुद को लेकर ज्यादा नेगेटिव सोचने लगता है। धीरे-धीरे दिमाग हर बातचीत को तनाव से जोड़ने लगता है, जिससे सामान्य स्थितियां भी भारी लगने लगती हैं।

चल समारोह में युवती से अभद्रता का मामला

FIR के बाद भी आरोपी फरार, पुलिस के हाथ अब तक खाली

दीपक वाड़ेकर

धरमपुरी (धार)। स्थानीय पुनर्वास क्षेत्र में गणगौर चल समारोह के दौरान कानून की छात्रा और उसके परिवार के साथ हुई मारपीट व अभद्रता के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जिससे पीड़ित परिवार में असुरक्षा का माहौल है।

क्या था मामला?

इंदौर में एलएलबी (LLB) की पढ़ाई कर रही शिवानी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 23 मार्च की रात चल समारोह के दौरान अल्केश बामनिया, सौरभ आर्य, बंशी वर्मा, राधु कटुकिया और मिथुन आर्य ने उनके साथ अश्लील गालियां देते हुए मारपीट की थी। बीच-बचाव करने आए भाई और बहन को भी चोटें आई थीं। पुलिस ने इस

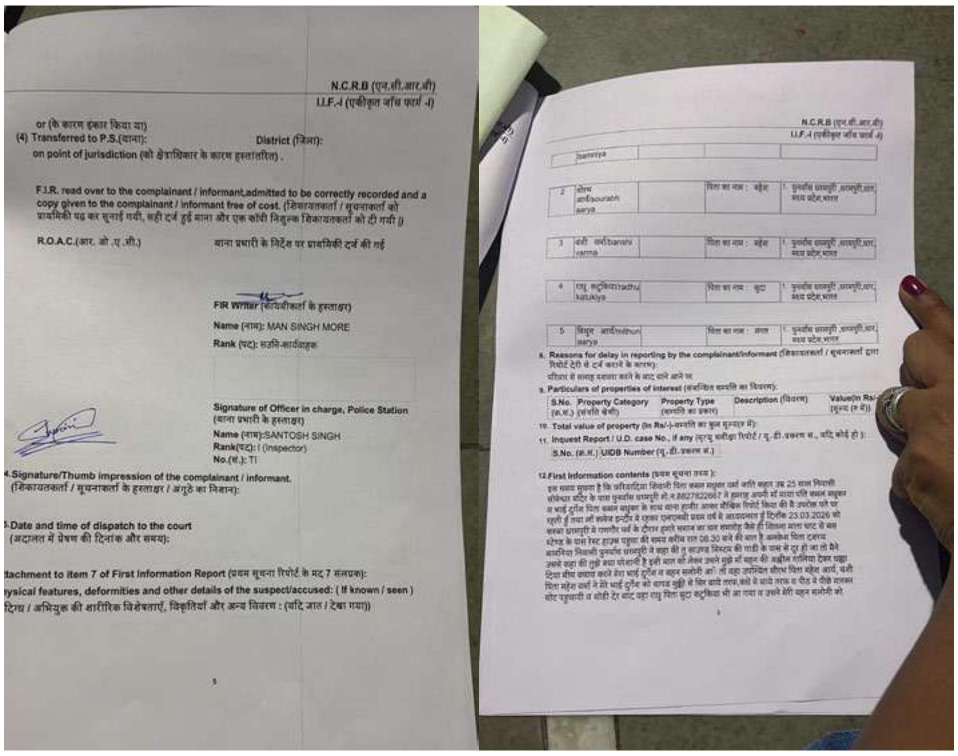

मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की गंभीर धाराओं 79, 115(2), 296(b), 351(3) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया है।

पुलिस का आश्वासन, पर कार्रवाई सिफर

पीड़ित परिवार का कहना है कि पुलिस द्वारा बार-बार यह आश्वासन दिया जा रहा है कि "अपराधी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे", लेकिन धरातल पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से वे बेखौफ घूम रहे हैं, जो पीड़िता और गवाहों के लिए खतरे का सबब बन सकता है।

CM हेल्पलाइन पर पहुंची शिकायत

पुलिस की सुस्त कार्रवाई से असंतुष्ट होकर फरियादिया ने अब मुख्यमंत्री (CM) हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज करा दी है। पीड़िता ने मांग की है कि महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

चंदन नगर थाना परिसर में पुलिस कर्मियों को दिया गया सीपीआर प्रशिक्षण

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। शहर के चंदन नगर थाना परिसर में दिनांक 12 अप्रैल 2026 को पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं आपातकालीन तैयारी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासकीय अस्पताल राऊ के चिकित्सक डॉ. शिवदयाल बरडे द्वारा उपस्थित पुलिस स्टाफ को सीपीआर (Cardiopulmonary Resuscitation) के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने हृदय गति रुकने जैसी गंभीर आपात स्थिति में तत्काल किए जाने वाले प्राथमिक उपचार के महत्व को समझाते हुए सीपीआर की सही तकनीक, आवश्यक सावधानियों एवं समय पर प्रतिक्रिया की भूमिका पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों को न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी गई, बल्कि व्यावहारिक रूप से सीपीआर का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, जिससे वे वास्तविक परिस्थितियों में आत्मविश्वास के साथ आपातकालीन सहायता प्रदान कर सकें।

इस प्रशिक्षण से पुलिस स्टाफ की आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे जरूरतमंद नागरिकों की जान बचाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। अधिकारियों ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

बैसाखी खालसा पंथ स्थापित दिवस पर उमड़ा आस्था का सैलाब

150 संगत के साथ श्री हजूर साहिब के लिए रवाना हुआ भव्य जत्था, बंजारा सिख समाज में जागरूकता की नई क्रांति

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर | निज प्रतिनिधि बैसाखी और खालसा पंथ स्थापना दिवस के पावन अवसर पर जिले में बंजारा सिख समाज की अटूट आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। श्री गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब मातापुर से लगभग 150 श्रद्धालुओं का एक भव्य जत्था 'श्री हजूर साहिब, नांदेड़' के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस धार्मिक यात्रा ने न केवल भक्ति का माहौल बनाया, बल्कि समाज में एकता और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार भी किया।

प्रवासी भारतीय की सराहनीय पहल इस विशेष धार्मिक सेवा का नेतृत्व सरदार नरेंद्र सिंह थांदी (प्रधान, वेस्ट सेक्रामेंटो, यूएसए) द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने गुरु नानक नाम लेवा बंजारा सिख संगत को गुरुधाम के दर्शन कराने का बीड़ा उठाया है। समाज के लोगों ने उनके इस निस्वार्थ प्रयास की जमकर सराहना की। कार्यक्रम में बंजारा सिख प्रचारक भाई राजा सिंह राठौड़ और रागी ईश्वर सिंह (गुरुद्वारा सिंघ सभा, खंडवा) की उपस्थिति ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। नशे के खिलाफ और संस्कृति की ओर भाई राजा सिंह राठौड़ ने अपने संबोधन में बंजारा सिखों के गौरवशाली इतिहास को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज आज गुरु की शिक्षाओं को आत्मसात कर नई दिशा में बढ़ रहा है। वहीं, रागी ईश्वर सिंह ने समाज में आ रहे सकारात्मक बदलावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोग अब नशे और पुरानी कुरीतियों को त्यागकर 'सिक्खी' के मार्ग को अपना रहे हैं। यह यात्रा केवल दर्शन के लिए नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

शहीद बब्बर बाबा की प्रेरणा आयोजकों के अनुसार, यह पूरी यात्रा शहीद बब्बर बाबा करम सिंह

जी थांदी की प्रेरणा से आयोजित की गई है। जत्थे की रवानगी के दौरान 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। यात्रा के दौरान संगत के लिए आवास, भोजन और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। यह आयोजन बंजारा सिख समाज के लिए सेवा भावना और भाईचारे का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।

आत्मविश्वासी व संतुलित व्यक्तित्व का निर्माण करता है सहजयोग

मनुष्य में शारीरिक शक्ति प्रबल हो या नहीं आत्मविश्वास की शक्ति से वह जीवन में कई उंचाईयों को प्राप्त कर लेता है। शारीरिक रूप से पूर्णतया सक्षम व्यक्ति भी कई बार आत्मविश्वास की कमी के कारण जीवन में पिछड़ जाता है। आत्मविश्वास की शक्ति ही बडे से बड़ा कार्य करवा लेती है। कई बार हमनें देखा है कि बड़ी से बड़ी बीमारी से जूझता रोगी भी अपने आत्मविश्वास के बल पर बीमारी पर विजय पा लेता है।

आत्मविश्वास से ही कार्यशक्ति बढ़ती है और अद्भुत कार्य होते हैं। परंतु हमारे अंदर आत्मविश्वास है या नहीं यह हम कैसे जाने, यह एक सहज प्रश्न है। दरअसल हमें अपने आत्मविश्वास की आवाज स्वयं ही सुननी पड़ती है। यदि हमें अपने अतंर में सदैव व्याप्त आत्मविश्वास को समझना है, तो हमें स्वयं को अंदर तक टटोलना होगा।

इसके लिए ध्यान धारणा एक योग्य मार्ग है। गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देकर उनका आत्मविश्वास जगाया था और अर्जुन ने एक साक्षी के रुप में पूरे महाभारत को देखते हुए युद्ध में अहम भूमिका निभाई।

जीवन में जो भी दुख, क्लेश और असफलताएं हैं, उसका कारण अविश्वास या आत्मविश्वास की कमी है। आत्मविश्वास यानि अपनी आत्मा पर विश्वास, हमारे अंदर के ईश्वर पर विश्वास। जिसे जागृत करने के बाद हम अपने अंदर ईश्वर के साक्षी बनते हैं, चैतन्य के माध्यम से अपनी शक्ति को महसूस करते है और यह अनुभूति हमें आत्मविश्वासी बनाती है। सहज योग ध्यान के माध्यम से हम अपने अंदर के ईश्वर को महसूस कर पाते हैं। कई गुणों को जागृत कर एक सफल जीवन का आशीर्वाद पाते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है| अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

आध्यात्म को समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है

सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी ने सहजयोग के संबंध में अपनी पुस्तक 'सहजयोग' में वर्णित किया है कि, "सर्वप्रथम जिज्ञासु होकर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यक्ति को इस विषय तक पहुंचना चाहिए। परिकल्पना के समान, सम्मान पूर्वक इस विषय का विवेचन होना चाहिए और परीक्षण करने पर यदि सत्य पाया जाये तो निष्कपटता पूर्वक सचरित्र लोगों द्वारा यह स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि यह विषय व्यक्ति के पूर्ण हित के लिए तथा पूरे विश्व के हित लिए है।"

सहजयोग ध्यान धारणा द्वारा जब हम आत्मा 'से एकाकार हो जाते हैं तो हमारे क्रिया कलापों को, विचारों को बुद्धि का नहीं वरन् आत्मा का मार्ग दर्शन प्राप्त होता है। हमारी आदतें विचार, उद्देश्य, आवश्यकताएँ परिवर्तित होने लगती है और हम प्रत्येक कार्य में आनन्द का अनुभव करने लगते हैं। सहजयोगी आनंद, प्रेम, करुणा, संगीत, नृत्य व हास्य से भरा हुआ होता है। अतः सहजयोग सामूहिकता द्वारा विकीर्णित चैतन्य लहरियां अविश्वसनीय होती हैं जिन्हें अनेकों बार श्री माताजी के कार्यक्रम में कैमरे ने कैद किया है। जब हम आत्मा के सत्य को समझ लेते हैं तो अनेक प्रकार के डर व भय समाप्त हो जाते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने भी आत्मा के सत्य के विषय में कहा है - 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥ (इस आत्मा को शस्त्र नहीं काट सकते, इसको आग नहीं जला सकती, इसको जल नहीं गला सकता और वायु नहीं सुखा सकती | (भगवद्गीता, अध्याय 2 श्लोक 231) कुण्डलिनी शक्ति जब सहस्त्रार की ओर बढ़ती है तो हमारे भीतर अन्तर्शुद्धि की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है हमारे चक्रों नाड़ियों में जो भी दोष होते हैं उनका निवारण प्रारम्भ हो जाता है जिससे अनेक बीमारियाँ स्वतः ही ठीक होने लगती हैं। परंतु सहजयोग केवल समस्याओं के समाधान का विकल्प नहीं बल्कि सत्य की खोज का मार्ग है। सहजयोग आत्मज्ञान को प्राप्त कर आत्मनिरीक्षण द्वारा मनुष्यत्व से देवत्व की ओर उत्थान का योग है। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं ।

मेहगांव में धूमधाम से मनाई जाएगी

संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की 135 वीं जयंती

दिव्यानंद अर्गल

मेहगांव।भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर आगामी 14 अप्रैल को नगर में भव्य विचार संगोष्ठी एवं चल समारोह का आयोजन किया जा रहा है। चल समारोह पूरे मेहगांव बाजार में होते हुए गल्ला मंडी अम्बेडकर भवन में समापन होगा, कार्यक्रम का आयोजन डॉ आंबेडकर समन्वय समिति द्वारा किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मूल मंत्र के साथ होगी। कार्यक्रम स्थल से एक भव्य चल समारोह भी निकाला जाएगा, जिसमें बाबा

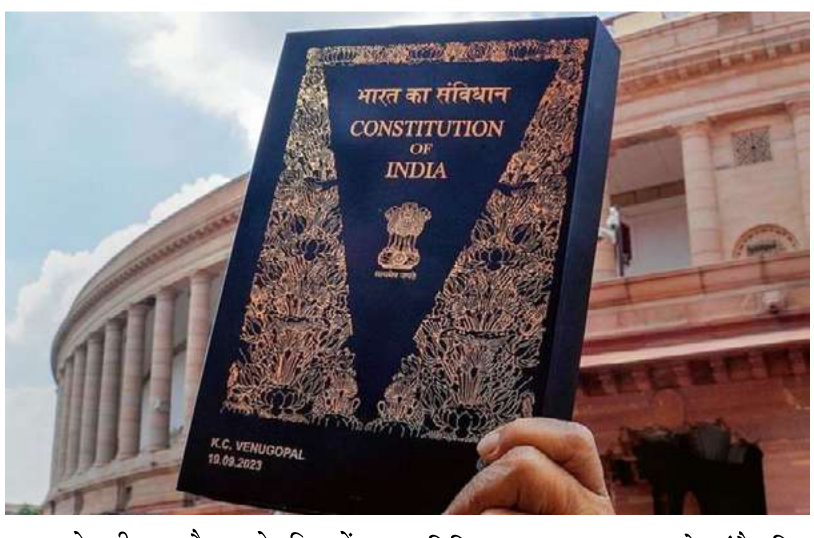

साहब के जीवन और उनके विचारों पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके पश्चात आयोजित विचार संगोष्ठी में विभिन्न वक्ता बाबा साहब के संवैधानिक योगदान और सामाजिक न्याय पर अपने विचार साझा करेंगे।

विद्यार्थियों को दिया गया जैविक खेती में पशुधन प्रबंधन एवं जैविक खाद निर्माण का तकनीकी प्रशिक्षण

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय बहोरीबंद में जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा विद्यार्थियों को जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के क्रम में विद्यार्थियों को कम लागत तकनीकी जीरो बजट फार्मिंग के अंतर्गत जानकारी दी गई कि जैविक खेती में पशु प्रबंधन एक ऐसा तरीका है, जिसमें पशुओं को न केवल दूध के लिए पाला जाता है, बल्कि उन्हें पूरी कृषि प्रणाली का एक अभिन्न अंग माना जाता है। इस प्रणाली में पशु और फसलें एक दूसरे के पूरक होते हैं। जिससे खेत एक आत्मनिर्भर और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र बन जाता है।

प्रशिक्षण के दौरान पशुधन प्रबंधन के मुख्य सिद्धांत के अंतर्गत पशुओं का प्राकृतिक जीवन, प्राकृतिक आहार, स्वस्थ और रोग मुक्त पशुधन की जानकारी दी गई। साथ ही जैविक कृषि में पशुधन के महत्व के अंतर्गत जैविक खाद का स्रोत, गोबर की खाद एवं गोमूत्र, ऊर्जा और श्रम का स्रोत, हल चलाना, परिवहन एवं आत्मनिर्भरता का आधार तथा पशुधन प्रबंधन के लाभ के अंतर्गत लागत में कमी, आय में वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण तथा मिट्टी के स्वास्थ्य की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को जैविक खेती में अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रामीण खाद एवं शहरी खाद निर्माण, पशु अपशिष्ट से खाद निर्माण एवं खली के उपयोग की जानकारी दी गई।

हाईवे में हुआ एक्सीडेंट बाईक चालक गंभीर ट्रक चालक फरार

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। बीती रात शहडोल के सोहागपुर थाना क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हो गया। थाना सोहागपुर के सामने पुलिया के पास हाईवे में चल रहे ट्रक के पीछे अपाचे मोटरसाइकिल सवार युवक जा घुसा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक ने लापरवाही दिखाते हुए बाइक को करीब 700 मीटर तक घसीटते हुए ओवरब्रिज के आगे तक ले गया। इसके बाद सुनसान जगह पर बाइक निकालकर ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस द्वारा फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

ट्रेन के डिब्बे में लगी अचानक लगी आग, मचा हड़कंप अफरातफरी का माहौल

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिले के ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर रविवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास साइडिंग में खड़ी रेलवे ट्रैक मशीन की बोगी में लगी आग ने कुछ ही देर में लोगों को दहशत में डाल दिया, हालांकि राहत टीम की तत्परता से स्थिति पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के साइडिंग ट्रैक पर चार कोच वाली वर्कशॉप कम रेस्ट फॉर ट्रैक मशीन खड़ी थी। इसी दौरान इनमें से एक कोच, जिसका नंबर ईसीओ 994129 बताया जा रहा है, उसमें अचानक अज्ञात कारणों से रविवार दोपहर आग भड़क उठी। घटना के समय बोगी के अंदर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था।

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया और उसे फैलने से रोक लिया। यदि समय पर आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो पास खड़ी अन्य बोगियां भी इसकी चपेट में आ सकती थीं। मौके पर थाना प्रभारी जिया उल हक भी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वहीं ब्यौहारी आरपीएफ चौकी प्रभारी गिरीश कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना के समय ट्रैक स्टाफ कार्य के लिए बाहर गया हुआ था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। रेलवे अधिकारियों को घटना की सूचना दे दी गई है। बताया जा रहा है कि ब्यौहारी रेलवे स्टेशन जबलपुर मंडल के अंतर्गत आता है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

शिवपुरी पुलिस की 'गुगली' में फंसा सट्टेबाज: मटका पार्क के पास से अर्पित रावत गिरफ्तार

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। आईपीएल के खुमार के बीच सट्टे का बाजार भी गर्म है, लेकिन शिवपुरी की कोतवाली पुलिस ने इस अवैध खेल पर अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस कप्तान अमन सिंह राठौड़ के सख्त तेवरों के बाद कोतवाली पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा खिलवाते हुए एक युवक को रंगे हाथों दबोचा है।

पुलिस को देखते ही छूटे पसीने

सूचना मिली थी कि मटका पार्क के पास एक युवक मोबाइल के जरिए आईपीएल मैचों पर दांव लगवा रहा है। कोतवाली टीआई रोहित दुबे ने तत्काल टीम गठित कर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी अर्पित रावत (निवासी ग्राम पड़ोरा) ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद टीम ने उसे चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया।

मोबाइल में खुला सट्टे का 'सॉफ्टवेयर'

जब पुलिस ने अर्पित की तलाशी ली, तो उसके पास से वन प्लस कंपनी का कीमती मोबाइल बरामद हुआ। मोबाइल चेक करने पर उसमें ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खिलवाने की लिंक और लंबी-चौड़ी ट्रांजैक्शन हिस्ट्री पाई गई। पुलिस ने आरोपी के पास से: एक वन प्लस मोबाइल (कीमती करीब 20,000 रुपये) 1500 रुपये नगद बरामद किए हैं। दर्ज हुआ मुकदमा, जारी रहेगी कार्रवाई कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 256/26 के तहत धारा 4 सट्टा अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आईपीएल के दौरान इस तरह की अवैध गतिविधियों पर उनकी पैनी नजर है और यह कार्रवाई आगे भी इसी रफ्तार से जारी रहेगी।

रणजीत टाइम्स 06
इंदौर, सोमवार 13 अप्रैल 2026

जनहित एवं किसान हित से जुड़ी विभिन्न गंभीर समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया

मोहम्मद आसिफ

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन (धरतीपुत्र) द्वारा जनहित एवं किसान हित से जुड़ी विभिन्न गंभीर समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी, लखनऊ को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि जनपद लखनऊ के ग्राम जेहटा, सैथा, दशहरी, मीरखेड़ा, टाड़खेड़ा सहित कई गांवों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सड़कों की दुर्दशा, जलभराव, पेयजल संकट, अवैध कब्जे, स्ट्रीट लाइट की कमी, नाली व पुलिया की खराब स्थिति जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में विशेष रूप से ग्राम जेहटा व सैथा में सड़क व नाली निर्माण, मीरखेड़ा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा हटाने, टाड़खेड़ा में जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त करने, बुद्धेश्वर क्षेत्र में चोरी की घटना

में लंबित कार्रवाई, तथा विभिन्न गांवों में स्ट्रीट लाइट व पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके साथ ही थाना बख्शी का तालाब क्षेत्र में हुए विवाद में निष्पक्ष कार्रवाई एवं द्वितीय पक्ष की FIR दर्ज करने तथा हयात नगर में लंबित नपाई कार्य को तत्काल पूरा कराने की भी मांग की गई। संगठन ने प्रशासन को 15 दिन का समय देते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो भारतीय किसान यूनियन (धरतीपुत्र) व्यापक स्तर पर धरना-प्रदर्शन एवं जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश यादव जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री रफीक लंबू जी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री निजाम गाजी जी, जिला अध्यक्ष लखनऊ श्री नागेंद्र प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष लखनऊ वसीम अंसारी जी, सुश्री विजय लक्ष्मी जिला उपाध्यक्ष महिला सभा जी, श्री सचिन यादव जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा जी, श्री रामलखन यादव जी, श्री महेश विश्वकर्मा जी, श्री अनिमेष सिंह जिला सचिव हरदोई जी, श्री रिंकू यादव जी, श्री अभिषेक सिंह जी, लवकुश , नीरज, वीरेंद्र, पंकज, मिलन , महफूज, नवाब, आदि सैकड़ों की संख्या में किसान साथी उपस्थित रहे और सभी ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। भारतीय किसान यूनियन (धरतीपुत्र) ने कहा कि किसानों एवं आम जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा और किसी भी प्रकार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनसहभागिता से सशक्त हुआ स्वच्छता अभियान

खेरमाई मंदिर परिसर में चला वृहद सफाई अभियान स्वच्छता के प्रति जागरूकता का दिया गया संदेश, जनप्रतिनिधियों व नागरिकों की सक्रिय भागीदारी

नवल किशोर कुशवाहा

स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयास हुए मजबूत

कटनी। स्वच्छ कटनी के संकल्प को साकार करने की दिशा में शनिवार को विवेकानंद वार्ड स्थित खेरमाई मंदिर प्रांगण में वृहद स्वच्छता अभियान का सफल एवं प्रभावी आयोजन किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान ने न केवल सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश भी दिया। अभियान में मेयर इन काउंसिल सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद सुरेंद्र गुप्ता,पूर्व महापौर डी.डी बैनर्जी,पार्षद शकुंतला सोनी,सीमा श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, क्षेत्रीय स्वच्छता प्रभारी दीपक अग्निहोत्री,निगम के अन्य कर्मचारी ,आईईसी टीम एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर मंदिर परिसर, आसपास के मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर स्वच्छता का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस दौरान झाड़ू लगाया जाकर कचरा संग्रहण एवं पानी से धुलाई जैसे कार्य प्राथमिकता के साथ किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में स्वच्छता का सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ। महापौर श्रीमती सूरी ने अभियान के

दौरान उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हम सभी की निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प ले, तो पूरा शहर स्वतः ही स्वच्छ और सुंदर बन सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्रित करें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और नगर निगम द्वारा संचालित व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर महापौर द्वारा वार्ड के सभी नागरिकों को माला पहनाकर सम्मानित भी किया गया, जिन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। यह सम्मान उनके योगदान एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सहभागिता के प्रतीक स्वरूप प्रदान किया गया। अभियान के दौरान नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए यह भी बताया गया कि स्वच्छ वातावरण न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अनिवार्य है। महापौर ने कहा स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न वार्डों में आगे भी इस प्रकार के अभियान लगातार आयोजित किए जाएंगे। साथ ही सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शहर के प्रत्येक क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे और नागरिकों को बेहतर वातावरण प्राप्त हो।इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में लापरवाही पर जिला पंचायत सीईओ ने प्रत्येक जनपद से पांच-पांच ग्राम पंचायतों को जारी किए शोकाज नोटिस

नवल किशोर कुशवाहा

सुश्री कौर ने जिले की 30 ग्राम पंचायतों के संबंधित उपयंत्रियों,सचिव और जीआरएस से 3 दिन में मांगा जवाब

कटनी । जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के दायित्व निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने प्रत्येक जनपद पंचायत की 5-5 ग्राम पंचायतों के संबंधित उपयंत्री,सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर कार्यों में प्रगति लाते हुए तीन दिवस में समक्ष में उपस्थित होकर तथ्यात्मक जवाब मांगा है। तीन दिन के अंदर तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सर्व संबंधितों पर एक पक्षीय कार्रवाई होगी।

एस.सी.एन. की वजह

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सर्व संबंधितों के प्रभार की ग्राम पंचायतों में स्वीकृत कार्य के अनुपात में कार्य पूर्णता/प्रगति की स्थिति बार-बार निर्देश देने के बाद भी संतोष जनक नहीं है। इनके द्वारा सौंपे गए दायित्वों में रुचि नहीं लेना, पदीय कर्तव्यों के विपरीत शासकीय कार्यों के प्रति लापरवाही बरती गई।

इन ग्राम पंचायतों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी हुए

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ की ग्राम पंचायत कांटी, देवसरी इंदौर, घुन्नौर के सचिव /ग्राम रोजगार सहायक और उपयंत्री क्रमशः सर्व श्री सुनील चौधरी, विजय पटेल विशंभर सिंह,आलोक पटेल, कुटेश्वर , इटौरा से विद्या प्रसाद साहू ज्ञानेंद्र शर्मा और पंचम लाल रैदास जनपद से पंचायत ढीमरखेड़ा की ग्राम पंचायत सरस्वाही, बम्हनी, कछारगांव छोटा से राजपाल महोबिया, प्रमिला

वाजपेई, बालकिशन कटारे और मनीष हल्दकार, बरोदा और लालपुर से प्रकाश सेन , शैलेंद्र बागरी ,अनिल जाटव जनपद पंचायत कटनी की ग्राम पंचायत मझगवा फाटक, घघरी खुर्द, हरदुआ, झलवारा घघरी कला से खुशी पांडे, रामनरेश भूमिया, प्रियंक राय, नागेंद्र पटेल शिवप्रसाद पटेल और आरती पाल, जनपद पंचायत बहोरीबंद में ग्राम पंचायत पटोरी, सलैया कुआं, हथियागढ़ से सुशील कुमार पटेल, पंकज तिवारी, गणेश राय और सुशील साहू , बंधी धूरी से रामसहाय चक्रवर्ती और नीरज तंतुवाय, बहोरीबंद से विश्वनाथ श्रीवास और शाहिद सुल्तान, जनपद पंचायत रीठी से ग्राम पंचायत हरद्वारा, कठौतिया, नयाखेड़ा, करहिया ,धनिया से संदीप कुमार राय, राजेश कुमार पटेल, प्रकाश आदिवासी, शिवदयाल पटेल, उत्तम सिंह और चंदन सिंह अठया , इसी प्रकार जनपद पंचायत बड़वारा से कुआं, नदावन, बुजबुजा से उमाशंकर साकेत, अतुल त्रिपाठी, नीतू सिंह और विनय सिंह गहरवार, पनसोखर और बंदरी से विनय सिंह सोलंकी,प्रकाश यादव और पूजा नागर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर समक्ष में उपस्थित होकर तीन दिवस में समाधान कारक जवाब मांगा है। इन कारणों से अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने का उल्लेख है।

आईपीएल में ऐसा खेल रहे टी-20 वर्ल्ड चैंपियंस

सैमसन ने शतक लगाया

चक्रवर्ती-बुमराह को विकेट नहीं मिल रहे

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में 19वें सीजन के 18 मैच खत्म हो चुके हैं। भारत को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले 15 प्लेयर्स अलग-अलग टीमों में खेल रहे हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन ने शनिवार को ही शतक लगा दिया। उनके साथी अभिषेक शर्मा ने भी 74 रन की पारी खेली। हालांकि, वर्ल्ड कप के 2 टॉप विकेट टेकर वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह आईपीएल में विकेट के लिए तरस जा रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल का प्रदर्शन भी बहुत फीका चल रहा है। वर्ल्ड कप में खराब स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

रिंकू, हार्दिक और अर्शदीप फ्लॉप

ओपनर्स अभिषेक-सैमसन चमके

आईपीएल के 18 मैचों में 10 टीमों से 22 प्लेयर्स ने ओपनिंग की। वर्ल्ड कप खेलने वाले अभिषेक शर्मा सनराइजर्स हैदराबाद और संजू सैमसन चेन्नई सुपर किंग्स से खेल रहे हैं। टूर्नामेंट में अभिषेक 5वें और सैमसन तीसरे बेस्ट स्कोरर हैं। राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल टॉप-2 पोजिशन पर हैं। अभिषेक शुरुआती 3 मैचों में 55 रन ही बना सके। हालांकि, शनिवार को पंजाब के खिलाफ उन्होंने 28 गेंद पर ही 74 रन बना दिए। उन्होंने 8 छक्के और 5 चौके लगाए। वे 129 रन बनाकर टूर्नामेंट के पांचवें बेस्ट ओपनर हैं। संजू भी शुरुआती 3 मैचों में फ्लॉप रहे, उनके बैट से तो 22 रन ही निकले। शनिवार को दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 56 गेंद पर 115 रन की नॉटआउट पारी खेल दी। उन्होंने 15 चौके और 4 छक्के लगाए। वे 137 रन बनाकर टूर्नामेंट के तीसरे बेस्ट ओपनर हैं।

मिडिल ऑर्डर में एक ही फिफ्टी लगी

- आईपीएल में 3 से 5 नंबर तक 39 प्लेयर्स बैटिंग कर चुके हैं। इनमें 11 ने 100 से ज्यादा रन बनाए, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन टीम का एक ही भारतीय इसमें शामिल है। नंबर-3 पर बैटिंग करने वाले ईशान ने एक फिफ्टी लगाकर 120 से ज्यादा रन बनाए हैं। वर्ल्ड कप में उनका साथ देने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा कुछ खास नहीं कर सके।
- ईशान फिलहाल एसआरएच की कप्तानी कर रहे हैं, उन्होंने अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया था। इसके बाद 3 मैचों में वे 42 रन ही बना सके। मिडिल ऑर्डर बैटर्स में वे 9वें नंबर पर हैं।
- सूर्यकुमार टूर्नामेंट एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके हैं, उनके नाम 73 रन ही हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट जरूर 155 प्लस है, जो उनके वर्ल्ड कप स्ट्राइक रेट से 19 ज्यादा है। वे रन बनाने के मामले में 15वें नंबर पर हैं।
- तिलक का प्रदर्शन मिडिल ऑर्डर बैटर्स में सबसे खराब है। वे 130.76 के स्ट्राइक रेट से 34 रन ही बना सके। वे एक बार खाता नहीं खोल सके और 6 ही चौके लगा पाए हैं। उनके बैट से एक भी छक्का नहीं आया। वे टॉप-20 प्लेयर्स से भी बाहर हैं। एसआरएच के हेनरिक क्लासन पहले और आरआर के ध्रुव जुरेल दूसरे नंबर पर हैं।

सुंदर को एक विकेट मिला

सुंदर के नाम बॉलिंग में एक ही विकेट हैं, लेकिन गुजरात के लिए बैटिंग में वे मिडिल ऑर्डर बैटर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस पोजिशन पर एक फिफ्टी के सहारे वे 77 रन बना चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 154 का है। मिडिल ऑर्डर बैटर्स में वे 14वें नंबर पर हैं।

ऑलराउंडर्स कमाल नहीं दिखा सके

दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल और मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या भी आईपीएल में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हैं। वहीं वर्ल्ड कप में 2 ही मैच खेलने वाले वॉशिंगटन सुंदर बैट से रन बना रहे हैं। अक्षर 4 मैचों में 2 ही रन बना सके। उन्होंने बॉलिंग में जरूर 8 से कम की इकोनॉमी रखी और 3 विकेट भी झटक लिए। विकेट लेने वाले स्पिनर्स में वे 9वें नंबर पर हैं।

हार्दिक तो बैट और बॉल दोनों डिपार्टमेंट में फ्लॉप चल रहे हार्दिक तो बैट और बॉल दोनों डिपार्टमेंट में फ्लॉप रहे। उनका स्ट्राइक रेट जरूर 160 के करीब है, लेकिन रन 30 भी नहीं बना सके। गेंदबाजी में 1 ही विकेट ले सके, जिसके लिए उन्होंने 11 से ज्यादा की इकोनॉमी से रन खर्च कर दिए। दोनों डिपार्टमेंट में वे टॉप-30 प्लेयर्स से भी नीचे हैं।

एक ही फिनिशर रन बना पा रहा

शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने वर्ल्ड कप में फिनिशर की भूमिका निभाई थी। आईपीएल में 49 प्लेयर्स ने 6 से 8 नंबर पर बैटिंग की है। इनमें 12 प्लेयर्स ने 30 प्लस रन बनाए। इनमें 250 प्लस का स्ट्राइक रेट अकेले सरफराज खान का रहा। उनके बाद एसआरएच के अनिकेत वर्मा ने 195 प्लस के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। दुबे ने 164.81 के स्ट्राइक रेट से 89 रन बनाए। स्ट्राइक रेट के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 4 छक्के और 9 चौके लगाए। सिक्स लगाने में दुबे चौथे और चौके लगाने में पहले नंबर पर हैं। रिंकू ने 4 मैचों में 72 रन जरूर बनाए, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 135 का ही रहा। ज्यादातर मौकों पर उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बैटिंग की, इसके बावजूद वे कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। वे एक ही सिक्स लगा सके। स्ट्राइक रेट के मामले में रिंकू 12 प्लेयर्स में 8वें नंबर पर हैं।

मोंटे कार्लो फाइनल

अल्काराज और सिनर के बीच खिताबी मुकाबला, नंबर-1 रैंकिंग दांव पर

ब्राजील (एजेंसी)। मोंटे कार्लो मास्टर्स 2026 का फाइनल बेहद खास होने जा रहा है, जहां कार्लोस अल्काराज और जानिक सिनर आमने-सामने होंगे। इस मुकाबले की सबसे बड़ी बात यह है कि जीतने वाला खिलाड़ी दुनिया का नंबर-1 बन जाएगा। दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

- **सिनर का बयान** - जीत के बाद सिनर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। हम यहां क्ले कोर्ट पर खुद को परखने आए थे और फाइनल में पहुंचना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। अब मैं पूरी ताकत के साथ खिताब जीतने की कोशिश करूंगा।
- **अल्काराज भी पूरी तरह तैयार** - कार्लोस अल्काराज ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक ड्रीम मोमेंट है। मैं अपने दूसरे मोंटे कार्लो खिताब के लिए खेल रहा हूं और नंबर-1 की रेस इस मुकाबले को और खास बना देती है।

सेमीफाइनल में दमदार जीत

जानिक सिनर ने तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-1, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं कार्लोस अल्काराज ने घरेलू खिलाड़ी वैलेंटिन वैचेरोट को 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबलों में बेहतरीन नियंत्रण और आक्रामक खेल दिखाया।

सिनर का शानदार फॉर्म

जानिक सिनर इस समय शानदार लय में हैं और मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 21 मैच जीत चुके हैं। उन्होंने इस सीजन में पहले ही इंडियन वेल्स और मियामी जैसे बड़े खिताब जीत लिए हैं। साथ ही वह 2015 के बाद पहले खिलाड़ी बने हैं, जो एक ही सीजन में शुरुआती तीन मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे हैं।

बड़ा मुकाबला है

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में कार्लोस अल्काराज का पलड़ा भारी है और वह सिनर के खिलाफ 10-6 से आगे हैं। हालांकि पिछली बार एटीपी फाइनल्स में सिनर ने अल्काराज को हराया था, जिससे इस बार मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

'हम हार से थक चुके थे', सीएसके कोच ने इस सीजन की पहली जीत का राज खोला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स ने आखिरकार जीत का खाता खोलते हुए दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराया। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में सीएसके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन हार के सिलसिले को खत्म किया और सीजन की पहली जीत दर्ज की।

कोच एरिक सिमंस का बड़ा बयान - मैच के बाद सीएसके के बॉलिंग कोच एरिक सिमंस ने टीम के मानसिकता को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, लड़के इस जीत के लिए बेहद बेताब थे। लगातार तीन हार के बाद हम जीत के लिए तरस रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि ड्रेसिंग रूम का माहौल हमेशा सकारात्मक बना रहा, भले ही टीम को शुरुआत में हार झेलनी पड़ी।

आत्मविश्वास की कमी थी असली वजह - एरिक सिमंस के अनुसार, टीम की रणनीति में कोई कमी नहीं थी, बल्कि आत्मविश्वास की थोड़ी कमी थी। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे मोमेंट्स, जैसे शानदार कैच या अच्छी फील्डिंग, पूरे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं और वही इस मैच में देखने को मिला।

- **सैमसन और म्हात्रे की शानदार बल्लेबाजी** - इस मुकाबले में संजू सैमसन ने नाबाद 115 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके साथ आयुष म्हात्रे ने 56 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दोनों की शानदार साझेदारी की बदौलत सीएसके ने 212/2 का बड़ा स्कोर खड़ा किया।
- **गेंदबाजी में ओवर्टन-कंबोज का जलवा** - गेंदबाजी में जेमी ओवर्टन ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। वहीं अंशुल कंबोज ने भी 3 विकेट झटककर दिल्ली की बल्लेबाजी को झकझोर दिया और टीम को 189 रन पर समेट दिया।

भागवत उवाच, हिंदू समाज में एकता की है कमी

संघ प्रमुख ने कहा-ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

निजामाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि

- **हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था**

हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था। भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी

एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। आरएसएस की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं। हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।
आरएसएस की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था। जैसा हेडगेवार ने सोचा था, उसी दिशा में काम करने वाले कार्यकर्ता आज सक्रिय हैं और समाज को मजबूत बनाने में लगे हैं। कंडाकुर्थी में बना स्फूर्ति केंद्र देश के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा देगा।

एमपी का बढ़ा कद शिवराज चुनेंगे बिहार का सीएम

- **बीजेपी ने एनडीए विधायक दल का नेता चुनने ऑब्जर्वर बनाया, मुख्यमंत्री रेस में 5 नाम**

भोपाल। बिहार में नई सरकार को लेकर हलचल तेज है। बीजेपी ने विधायक दल के नेता के चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बिहार के सीएम नीतिश कुमार राज्यसभा सांसद बनने के बाद शपथ ले चुके हैं। अब एनडीए को नए सीएम का ऐलान करना है। 4 बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज को विधायकों की नब्ज समझने का अनुभव है। बिहार में एनडीए के कई घटक दल हैं। उन्हें जिम्मेदारी दी गई है कि सर्वसम्मति से स्वीकार्य नाम तय कराया जाए। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए बीजेपी ऐसे चेहरे की तलाश में है, जो 'ब्रांड मोदी' के साथ स्थानीय जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साध सके।

असम के बाद अब बंगाल का रुख करेंगे हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी)। असम में अपने दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवारों के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार करने के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल्द ही बंगाल का रुख करने जा रहे हैं। वहां वे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में चुनावी अभियान को धार देंगे। उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जबकि झामुमो के वरिष्ठ नेता पहले ही बंगाल पहुंचकर समन्वय की रूपरेखा तैयार करेंगे। ममता बनर्जी के समर्थन में झामुमो पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी हेमंत सोरेन ने तृणमूल के पक्ष में प्रचार किया था, जिसका असर खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में देखने को मिला था।

ईरान-अमेरिका के बीच नहीं बन पाई बात

इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली बातचीत बेनतीजा रही

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के

- **अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-हमने उन्हें फाइनल ऑफर दिया**

बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर

है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा,हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। ईरान परमाणु हथियार बनाने वाला है।

ईरान बोला-अमेरिका हमारा भरोसा जीतने में नाकाम रहा

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने इस्लामाबाद में हुई बातचीत खत्म होने के बाद अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने इस बातचीत को मुमकिन बनाने के लिए पाकिस्तान का धन्यवाद किया।

12 राज्यों की वोटर लिस्ट से 5.18 करोड़ नाम हटे, सामने आई बड़ी वजह

नई दिल्ली। देशभर में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दूसरे चरण में बड़ा प्रशासनिक कदम सामने आया है। भारत निर्वाचन आयोग की निगरानी में 12 राज्यों की मतदाता सूची से कुल 5.18 करोड़ नाम हटाए गए हैं, जिससे सियासी हलकों में हलचल तेज हो गई है।

किन राज्यों में सबसे ज्यादा असर सूत्रों के मुताबिक, हटाए गए नामों में सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश से बताई जा रही है, जबकि दूसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल है। इसके अलावा अन्य बड़े राज्यों में भी व्यापक स्तर पर सूची संशोधन किया गया है।

आखिर क्यों हटाए गए इतने नाम? चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत SIR प्रक्रिया का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और अपडेट करना है। इस दौरान जिन कारणों से नाम हटाए गए, उनमें प्रमुख हैं: एक ही व्यक्ति के नाम का कई जगह दर्ज होना (डुप्लीकेट एंट्री) स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण मृत्यु के बाद नाम अपडेट न होना लंबे समय से मतदान में भाग न लेना और सत्यापन में अनुपस्थिति कैसे होती है यह प्रक्रिया SIR के तहत बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) द्वारा घर-घर सत्यापन किया जाता है। इसके बाद संदिग्ध या अपात्र प्रविष्टियों को चिन्हित कर सूची से हटाया जाता है। इस प्रक्रिया में दावा-आपत्ति का मौका भी दिया जाता है, ताकि कोई पात्र मतदाता गलती से बाहर न हो। राजनीतिक असर भी संभव इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने के बाद राजनीतिक दलों की नजर इस पूरी प्रक्रिया पर टिकी है। कई दल पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा सकते हैं, जबकि चुनाव आयोग इसे नियमित और आवश्यक प्रक्रिया बता रहा है।

आगे क्या?

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची का यह बड़ा अपडेट चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। अब देखना होगा कि दावा-आपत्ति के बाद कितने नाम दोबारा जोड़े जाते हैं।